History
सिक्ख धर्म

1. गुरू नानक देव जी :- संस्थापक (founder)

जन्म (Birth) :- 15 अप्रैल 1469
15 April 1469
↓
कार्तिक पूर्णिमा के दिन
On the day of Kartik Purnima.

जन्मस्थान (Birthplace) :- तलवंडी (Talwandi)
अब ननकाना साहेब के रूप में जाना जाता है
Now known as Nankana Saheb.
↓
लाहौर (पाक)

:> मृत्यु (Death) = 1539

पंजाब
⇒ करतारपुर नगर इन्होंने ही बसाया
Kartarpur Nagar they settled.

:> संगत और पंगत (लंगर व्यवस्था) को शुरू की। → जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण करना।

= पुस्तक (Book) = जपुजी (Japuji)

2. गुरू अंगद देव :- 1539-1552
Guru Angad Dev

↳ गुरू नानक जी के शिष्य
Disciples of Guru Nanak

बचपन का नाम :- लहना 'Lahna'
Childhood name

:> गुरूमुखी लिपी के जनक
Father of Gurumukhi script

Imp ⇒ लंगर व्यवस्था को स्थायी किया
Fixed the langar system.

Imp ⇒ पंजाबी भाषा का प्रचार प्रसार किया।
Spread the propaganda of Punjabi language.

3. गुरू अमरदास (Guru Amardas) ⇒ 1552 - 1574
↓
सती प्रथा का विरोध, अन्तर्जातीय विवाह व विधवा विवाह को बढ़ावा
Opposition to sati practice, promotion of inter-caste marriage and widow remarriage.

4. गुरू रामदास (1574 - 1581) ⇒
↓
रामसर शहर की स्थापना।
↓
वर्तमान : अमृतसर

Imp ↳ अमृत सरोवर की स्थापना (1577)
Establishment of Amrit Sarovar (1577)
:- पंजाब का 1 वर्ष का लगान अकबर ने माफ किया।
Akbar waived Punjab's 1 year rent.

↳ अकबर ने 500 बीघा जमीन दिए - बीबी भीनी को
Akbar gave 500 bighas of land to Bibi Bhini. ↓
बीबी भानी - (प्रसिद्ध)

5. गुरू अर्जुनदेव (1581-1606) :- हत्या कराई :- जहाँगीर ने
Murdered by Jahangir
- फांसी

↓ आदिग्रंथ की रचना की
Composed the Adigranth

↓ सच्चा बादशाह उपाधि
rightful title.

↳ हरमंदिर साहिब का निर्माण - (नींव : सूफी संत - "मिया मीर")
Construction of Harmandir Sahib - (Foundation: Sufi Saint - "Miya Mir")

सोने की परत → अर्जुन देव
↓
स्वर्ण मंदिर (Golden temple) ↓
अमृतसर (पंजाब)

6. हरगोविंद सिंह (1606-1645) →
↓ सिक्खों को योद्धा रूप प्रदान किया
Sikhs were given warrior from
•> 1628 में शाहजहाँ की मुगल सेना को पराजित किया
Defeated the Mughal army of Shah Jahan in 1628.
Imp. •> अकाल तख्त का निर्माण कराया
Got the Akal Takht constructed.

7. गुरू हरराय (1645-1661) →
↓ दाराशिकोह की मदद की Helped Darashikoh.
मुगल

8. गुरू हरकिशन (1661-64) :→
•> 5 वर्ष की अवस्था में गुरू बने
Become a Guru at the age of 5 year.
•> चेचक से मृत्यु हुयी
Died of smallpox.

9. गुरू तेगबहादुर (1664-1675) :→
•> "हिन्द की चादर" Chadar of hind
•> औरंगजेब ने हत्या करायी
Aurangzeb got the murder done.
दिल्ली •> शीशगंज गुरूद्वारा पर शहादत
Martyrdom at Shishganj Gurudwara.

10. गुरू गोविन्द सिंह (1675-1708) :→
↓ जन्म :- 1666 (पटना) बिहार
सरहुल प्रणाली - start की
1699 में → •> खालसा पंथ की स्थापना (गुरू प्रथा को खत्म कर दिया गया)

ककार
- कंघा
- कच्छा
- केश
- कड़ा
- कृपाण

⇒ Establishment of Khalsa Panth (Abolition of Guru system)

"⇒ गुरू ग्रंथ साहिब" है वही अगला गुरू है।

पवित्र ग्रंथ : "Guru Granth Sahib" is the next Guru.

⇒ नांदेड (महाराष्ट्र) में एक पठान ने इनकी हत्या कर दी
He was killed by a Pathan in Naded (Maharashtra)

→ रचना (Composition) :- जफरनामा (Zafarnama)

⇒ हुक्मनामा जारी
Order issued : सिक्खों का अगला नेता बंदासिंह बहादुर होगा।
Banda Singh Bahadur will be the next leader of the Sikhs.

* बंदासिंह बहादुर :- (1708) - कमांडर
↳ अन्य नाम - लक्ष्मण दास
गुरू :- जानकी दास बैरागी
Guru :- Janki Das Bairagi

नाम बदल कर - माधो दास बैरागी
Name changed to Madho Das Bairagi

राजधानी (Capital) ⇒ लोहगढ़ (Lohargarh)

मुगल शासक ⇒ फर्रुखशियर ने पंजाब को घेरने का आदेश दे दिया
Farrukhshiar ordered to besiege Punjab.

⇒ 1715 में आत्मसमर्पण किया
Surrendered in 1715.

⇒ 796 सिक्खों (Sikhs) के साथ

⇒ 16 जून 1716 : शरीर के टुकड़े - टुकड़े
June 16, 1716 : Pieces of the body.

* चमकौर का युद्ध - 1704

#. नेतृत्व (Leadership) :- जस्सा सिंह
Jassa Singh

12 दल बने (मिसल नाम से)
12 teams were formed (by the name of Missal)

:- रणजीत सिंह" (1798 में)
Ranjit Singh (in 1798)

: लाहौर के शासक बने
Became the ruler of Lahore.

:- **रणजीत सिंह** :-

- 1801 में महाराजा की उपाधि धारण की
  He assumed the title of Maharaja in 1801
- लाहौर की संधि : 25 अप्रैल 1809
  Treaty of Lahor
- अमृतसर (Amritsar) :- Sign. (हस्ताक्षर) चार्ल्स मेटकॉफ
  Charles Matcof.

East India Company

:- सतलज के पूर्वी हिस्सा EIC का होगा
The eastern part of the Satlej will belong to the EIC